भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 4296

19 अगस्त, 2025 को उत्तरार्थ

विषय: कृषि क्लिनिक और कृषि व्यवसाय केंद्र योजना का प्रभाव

4296. श्री संजय उत्तमराव देशमुखः

श्री बजरंग मनोहर सोनवणेः

क्या **कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश में कृषि उत्पादकता बढ़ाने, उन्नत प्रौद्योगिकियों को अपनाने और कृषि क्लिनिक और कृषि व्यवसाय केंद्रों से सेवाएं प्राप्त करने वाले किसानों की आय बढ़ाने में कृषि क्लिनिक और कृषि व्यवसाय केंद्र (एसीएबीसी) योजना का राज्य-वार और विशेषकर महाराष्ट्र में जिला-वार कितना प्रभाव पड़ा है;

(ख) प्रत्येक कार्यशील कृषि क्लिनिक और कृषि व्यवसाय केंद्र द्वारा विशेषकर महाराष्ट्र सहित राज्य-वार औसतन कितने किसानों को सेवा प्रदान की जा रही है;

(ग) इन केंद्रों की भौगोलिक पहुंच क्या है; और

(घ) क्या एसी और एबीसी उद्यमों की स्थापना के फलस्वरूप विशेषकर महाराष्ट्र के दूरदराज और अल्पसेवित ग्रामीण क्षेत्रों में अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित हुआ है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क): वर्ष 2002 में इसकी स्थापना के बाद से दिनांक 12.08.2025 तक, देश भर में कृषि-क्लिनिक और कृषि-व्यवसाय केंद्र (एसी और एबीसी) योजना के तहत कुल 41,664 उद्यम स्थापित किए गए हैं, जिसमें महाराष्ट्र राज्य के 13,263 उद्यम शामिल हैं। इसके परिणामों का आकलन करने के लिए एसी और एबीसी योजना पर दो प्रमुख प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन किए गए थे। इन अध्ययनों से ज्ञात हुआ है कि प्रमुख लाभ वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों के बारे में किसानों के बीच जागरूकता में वृद्धि थी, जिसके कारण प्रति हेक्टेयर अधिक उत्पादन और बेहतर फसल ईंटेंसिटी प्राप्त हुई। मात्रात्मक आंकड़ों से ज्ञात हुआ है कि 82% किसानों ने उत्पादकता में वृद्धि की जानकारी दी, 71% ने कृषि इनपुट का इष्टतम उपयोग प्राप्त किया, 72% ने पादप संरक्षण पद्धतियों में सुधार किया और 14% ने उत्पादन ज्ञान में सुधार किया। निष्कर्षों ने योजना के लगातार सकारात्मक प्रभाव को प्रदर्शित किया है। सर्वेक्षण में शामिल लगभग सभी किसानों (98%) ने कृषि उद्यमियों से प्रासंगिक और उपयोगी जानकारी प्राप्त करने की पुष्टि की, जिनमें से 81% ने फसल से संबंधित विवरण और 23% ने डेयरी के बारे में जानकारी प्राप्त की। 86% किसानों ने बताया कि कृषि उद्यमियों के परामर्श का पालन करने के परिणामस्वरूप उनकी आय या उपज में वृद्धि हुई।

(ख): महाराष्ट्र सहित देश भर में प्रत्येक कार्यशील कृषि क्लिनिक और कृषि व्यवसाय द्वारा सेवा प्राप्त करने वाले किसानों की औसत संख्या लगभग 1410 है, जो 30 गांवों में औसतन 47 किसानों को सेवा प्रदान करता है।

(ग): महाराष्ट्र राज्य सहित देश में कृषि-क्लिनिकों और कृषि-व्यवसाय केंद्रों का जिला-वार विवरण निम्नानुसार है:

क्र. सं.	**राज्य**	**एसी और एबीसी उद्यमों वाले जिलों की संख्या**	**स्थापित एसी और एबीसी उद्यमों की संख्या**	**कृषि-उद्यमों के द्वारा सेवा प्रदान किए जा रहे किसानों की अनुमानित संख्या**
1.	आंध्र प्रदेश	19	538	758580
2.	अरुणाचल प्रदेश	3	3	4230
3.	असम	24	281	396210
4.	बिहार	42	1630	2298300
5.	चंडीगढ़	1	2	2820
6.	छतीसगढ़	25	424	597840
7.	दिल्ली	3	6	8460
8.	गोवा	1	10	14100
9.	गुजरात	33	916	1291560
10.	हरियाणा	18	251	353910
11.	हिमाचल प्रदेश	10	112	157920
12.	जम्मू एवं कश्मीर	17	191	269310
13.	झारखंड	22	222	313020
14.	कर्नाटक	43	1968	2774880
15.	केरल	13	87	122670
16.	मध्य प्रदेश	53	2718	3832380
17.	महाराष्ट्र	36	13263	18700830
18.	मणिपुर	9	135	190350
19.	मेघालय	3	4	5640
20.	नागालैंड	4	22	31020
21.	ओडिशा	18	116	163560
22.	पुदुचेरी	3	92	129720
23.	पंजाब	18	225	317250
24.	राजस्थान	34	2044	2882040
25.	सिक्किम	1	1	1410
26.	तमिलनाडु	38	5091	7178310
27.	तेलंगाना	32	668	941880
28.	त्रिपुरा	2	2	2820
29.	उत्तर प्रदेश	95	10087	14222670
30.	उत्तराखंड	9	212	298920
31.	पश्चिम बंगाल	20	343	483630
कुल		**649**	**41664**	**58746240**

(घ): प्रभाव मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार, प्रत्येक एसी और एबीसी उद्यम ने औसतन छह से अधिक व्यक्तियों के लिए रोजगार सृजित किया, जिनमें से लगभग 90% को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्राप्त हुआ।

*****